महावीर जयंती पर जियो और जीने दो की गूंज

पवा

विशाल जैन पवा । तालबेहट । सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी सहित कस्बे के पारसनाथ एवं वासुपूज्य दि. जैन मंदिर में जैन धर्म के वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की जयंती धूमधाम से मनायी गयी, इस अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुँचे, प्रभात फेरी निकाली तथा भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव पर पालना झूलन सहित विविध धार्मिक कार्यक्रम अनुष्ठान हर्षोल्लास के साथ आयोजित किय गये । दोपहर में विमानोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सबसे आगे तैलीय चित्रों की झांकी उसके पीछे घोड़े पर धर्मध्वजा लेकर श्रावक, बैण्ड की धुनों पर नृत्य करते युवाओं के बाद श्री जी को विमान में लेकर श्रद्धालु और सबसे पीछे जियो और जीने दो के नारे लगाते हुए महिलाएं व पुरुष चल रहे थे । भव्य शोभायात्रा पारसनाथ दि. जैन मंदिर से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण कर वापस मंदिर पहुंची । मंदिर में ध्वजारोहण, कलशाभिषेक, मंगल आरती एवं फूलमाला का आयोजन किया गया । इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि बालक वर्द्धमान का जन्म चैत्र सुदी त्रयोदशी को बिहार प्रांत के कुण्डलपुर ग्राम में नाथ वंश के राजघराने में पिता सिद्धार्थ एवं माता त्रिशलादेवी के घर हुआ, वह कुशाग्र बुद्धि एवं महान व्यक्तित्व के धनी थे । माँ के गर्भ में आते ही राज्य-वैभव, पराक्रम आदि बढ़ने से माता-पिता ने बालक का नाम वर्द्धमान रखा, उनका कलशो से जन्माभिषेक करते समय सौधर्म इन्द्रादि को शिशु के जल प्रवाह में सुमेरूपर्वत की पाण्डुकशिला से बह जाने की शंका हुयी और जैसे अभिषेक करना बंद किया तो शिशु ने इन्द्रों का भ्रम दूर करने के लिए बाएँ पैर के अंगूठे से पर्वत को कंपायमान कर दिया जिससे इन्द्र ने शिशु का नाम वीर रखा । जब संजय और विजय नाम के मुनिराजों ने बालक वर्द्धमान को देखते ही तत्व की शंका का समाधान हो गया तब मुनिराज ने बालक को सन्मति नाम दिया, लुका-छुपी का खेल खेलते समय संगम नाम का देव स्वर्ग से परीक्षा लेने भयानक सर्प बनकर आया तो सभी बच्चे डरकर भाग गये वर्द्धमान निडरतापूर्वक साँप से ही खेलने लगे तो सर्प ने देव का रुप धारण कर नमस्कार कर साहस की प्रशंसा करते हुए बालक को अतिवीर नाम दिया । एक बार उपद्रव करते हुए पागल हाथी को वश में कर वर्द्धमान उस पर सवार हो गये तो नगर वासियों ने बालक को महावीर नाम से पुकारा, इस प्रकार बालक के पाँच नाम वर्द्धमान, वीर, अतिवीर, सन्मति और महावीर हो गये । उन्होंने बाल ब्रह्मचारी रहते हुए जैनधर्म के पाँच सिद्धांतों अहिंसा, सत्य, अचौर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य की प्रभावना करते हुए जैनागम को जन जन तक पहुँचाया । उन्होंने अनेकांत, मैत्री भाव और सहिष्णुता का संदेश दिया तथा अनेक उपसर्गों पर विजय प्राप्त कर कठिन साधना एवं तप करने पर केवलज्ञान की प्राप्ति के बाद कार्तिक अमावस्या के दिन पावापुरी से मोक्ष प्राप्त किया । महावीर स्वामी द्वारा बताये गये मोक्ष मार्ग का अनुसरण करते हुए अनेक श्रावक घर छोड़कर धर्म की साधना को निकल पड़े एवं मुनि-आर्यिका व्रत को धारण किया, धर्मावलम्बियों ने जीओ और जीने दो तथा अहिंसा परमो धर्मा: का प्रचार-प्रसार किया। रात्रि में बालक्रीड़ा एवं मंगल आरती सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में एस.डी.एम अमिताभ यादव, प्रभारी तहसीलदार सुबोध मणि शर्मा, नायब तहसीलदार अजीत कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक शशिकांत दीक्षित, पं. विजय कृष्ण, चौधरी धर्मचन्द्र, शिखरचन्द्र, राजकुमार, सुरेन्द्र जैन, जयकुमार, कमल जैन, राकेश मोदी, मिठ्ठा मेघराज, मनीषकुमार, अरुण कुमार, चक्रेश जैन, संजय जैन, अनिल कुमार, पुष्पेन्द्र, प्रवीण कड़ेसरा, देवेन्द्र बसार, यशपाल, सुशील, प्रदीप, आकाश, सौरभ, विकास, आदेश, राहुल, रिंकू, निक्की आदि का सहयोग रहा ।

पन्ना

अभिषेक जैन, पन्ना। चिंतामणि भगवान पार्श्वनाथ के नाम से सुरभित रत्नगर्भा पन्ना नगर में वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक बहुत आनंद एवं उत्साह के साथ मनाया गया । पन्ना नगर के दोनों मंदिरों को बहुत आकर्षक ढंग से सजाया गया था । सुबह प्रभातफेरी निकाली गई तथा मंदिरजी में भगवान का 108 कलशों से अभिषेक एवं शांतिधारा की गई । दोपहर में भगवान महावीर स्वामीजी की भव्य एवं विशाल शोभायात्रा निकाली गई जिसमें समाज के सभी सदस्य बड़े उत्साह एवं आनंद के साथ सम्मिलित हुये । श्रीजी की जुलूस बड़ा मंदिर धाम से प्रारंभ होकर पन्ना नगर के सभी प्रमुख मार्गों से होता हुआ बड़ा बाजार स्थित मंदिर में पहुँचा जहां भगवान महावीर स्वामी का 108 कलशों से अभिषेक एवं शांतिधारा की गई । बाद में श्रीजी की शोभायात्रा वहां से विहार कर वापस बड़े बाजार के मंदिर में आकर संपन्न हुई । भगवान जिनेन्द्र की भव्य शोभायात्रा में जिनेन्द्र प्रभु का स्वागत करने के लिये जगह जगह रांगोली एवं तोरण द्वार सजाये गये थे सभी ने प्रभु की मंगल आरती कर असीम पुण्य की वृद्धि एवं धर्म की महती प्रभावना की। समाज की ओर से गरीब और बीमार लोगों का फल एवं भोजन का वितरण किया गया ।

पन्ना नगर में संत शिरोमणि गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में दिनांक 10 अप्रैल से 19 अप्रैल तक दस दिवसीय जैन धर्म शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समाज के सभी लोगों ने उत्साह एवं आनंद से भाग लिया । आचार्य भगवन के परम सानिध्य में लोगों को जैन धर्म के गौरव एवं इतिहास, जीव विज्ञान, जैन भूगोल आदि विषयों का ज्ञान प्राप्त किया । आचार्य भगवन के अमृतमयी वचनों ने समाज को नैतिक, अध्यात्मिक एवं चारीत्रिक विकास की प्रेरणा दी।

जबलपुर

अरविन्द जैन, जबलपुर । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष श्रमण संस्कृति के उन्नायक चौबीसवें तीर्थंकर 1008 भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में श्री दिगम्बर गोलालारीय जैन नवयुवक सभा में पदाधिकारियों द्वारा वृद्धाश्रम एवं कुष्ठ आश्रम पहुंचकर भगवान महावीर स्वामी के संदेशों का वाचन संस्था संरक्षक श्री निर्मलकुमार जैन द्वारा किया गया । उद्बोधन उपरांत वृद्धाश्रम में उपस्थित वृद्धजनों के बीच फलो का वितरण समस्त पदाधिकारियों के सहयोग से किया गया । दिनांक 1 अप्रैल को कमानिया गेट पर श्री दि. जैन गणेशप्रसाद वर्णी पाठशाला के बच्चों द्वारा वर्तमान की समस्याओं पर आधारित एक नृत्य नाटिका 'खो गई इंसानियत' का सफल मंचन किया गया एवं 2 अप्रैल को प्रात: 7.30 बजे हनुमान ताल बड़े जैन मंदिर से एक विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ, जिसमें भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा रजत पालकी एवं रथ पर विराजित हुई । विशाल जुलूस के साथ शोभा यात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई कमानिया गेट पर समापन हुआ । सायंकाल श्री जी का महामस्तिकाभिषेक किया गया । वृद्धाश्रम में सभा का संचालन संस्था अध्यक्ष अरविंद जैन एवं डॉ. सुनील जैन द्वारा किया गया । कार्यक्रम में प्रीति जैन, मालती जैन एवं श्वेता ऋषभ मोदी तथा सविता रितेश मोदी, रिंकी, अमित जैन, प्रीति, अमित जैन, रीना आलोक जैन का विशेष सहयोग रहा । अंत में आभार प्रदर्शन संस्था उपाध्यक्ष श्री अश्विन जैन द्वारा किया गया । इसके बाद पदाधिकारी अहिंसा चौक स्थित बच्चों के सेवा केन्द्र तथा संगम कालोनी स्थित बाजखेड़ा भवन में भी बच्चों को फलों का वितरण किया गया ।

पृथ्वीपुर

अंकित जैन, पृथ्वीपुर । टीकमगढ़ जिले के पृथ्वीपुर नगर में महावीर जयंती का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । नगर के मंदिर में शोभायात्रा प्रारंभ होकर नगर भ्रमण पश्चात मंदिरजी पर ही अभिषेक, शांतिधारा व पूजा पाठ के साथ संपन्न हुई । नगर के समाजजनों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक सभी कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लिया । महिलाएं एवं युवा वर्ग भगवान महावीर स्वामी के संदेशों का उद्घोष करते हुए चल रहे थे ।

गोलालारीय समाज द्वारा नगर मे नवीन मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है जिसमें समाजजन पूर्ण मनोयोग से सहयोग प्रदान कर कार्य को गति प्रदान कर रहे है । महावीर जयंती के कार्यक्रम में डॉ. संतोष जैन, डॉ. अरुण जैन, भानु जैन, मुकेश जैन, देवेन्द्र जैन, अनिल जैन, सत्येन्द्र जैन का विशेष सहयोग रहा ।

कोरियर द्वारा पत्रिका भेजने की व्यवस्था

गोलालारीय दर्शन पत्रिका शासन के मापदण्डों के अनुसार साधारण डाक से आप तक पहुँचाने का हर संभव प्रयास करते है फिर भी कई परिवारों तक पत्रिका नहीं पहुंच पाती है, इस दुविधा को दूर करने के उद्देश्य से हमने मधुर कोरियर के माध्यम से पत्रिका भेजने का विचार करा है। आजीवन सदस्य ही इस सुविधा का लाभ ले पायेंगे । मधुर कोरियर के द्वारा मध्यप्रदेश में 150 रु. प्रतिवर्ष व मध्यप्रदेश के बाहर 200 रु. अग्रिम रुप से जमा करने पर ही यह सुविधा सुनिश्चित की जा सकेगी ।

संपादक मंडल 'गोलालारीय दर्शन'

संपर्क - श्री बाहुबली जैन 9425903301, 9424013136